[This question paper contains 3 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 6381 **Your Roll No.** .....

Unique Paper Code :

Name of the Course : **B.A. (Hons.) /II** E

Name of the Paper : **Paper – III, (Drama)/(Old Course)**

Mode : **Annual**

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)
इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in Sanskrit or in Hindi or English, but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : – अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answers all questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए –
Translate the following : 6+6+6

(क) स्वयमाहृत्य भुञ्जाना बलिनोऽपि स्वभावतः।
गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिता।।

अथवा /Or

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारब्धमुत्तमजना न परित्यजन्ति।।

(ख) प्रच्छाद्य राजमहिषीं नृपतेर्हितार्थं
कामं मया कृतमिदं हितमित्यवेक्ष्य ।
सिद्धेऽपि नाम मम कर्मणि पार्थिवोऽसौ
किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशंकितं मे।।

अथवा /Or

उदयनवेन्दुसवर्णावासवदत्ताबलौ बलस्य त्वाम्।
पद्मावतीर्णपूर्णौ वसन्तकम्रौ भुजौ पाताम्।।

(ग) वैखानसं किमनया व्रतमाप्रदानाद्व्यापाररोधि मदनस्य निषेवितव्यम्।
अत्यन्तमेव सदृशेक्षणवल्लभाभिराहो निवत्स्यति समं हरिणाङ्गनाभिः।।

अथवा /Or

पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलं युष्मास्वपीतेषु या
नादत्ते प्रियमण्डनापि भवतां स्नेहेन या पल्लवम्।
आद्ये वः कुसुमप्रसूतिसमये यस्या भवत्युत्सवः
सेयं याति शकुन्तला पतिगृहं सर्वैरनुज्ञायताम्।।

2. निम्नलिखित की **संस्कृत** में व्याख्या कीजिएः 7
Explain the following Sanskrit :

कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः।

अथवा /Or

प्रायेण हि नरेन्द्रश्रीः सोत्साहैरेव भुज्यते।

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः 7+7+7
Explain with reference to context the following :

(क) दुःखं त्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।
यात्रा त्वेषा यद् विमुच्येह वाष्पं प्राप्तानृण्या याति बुद्धिः प्रसादम्।।

अथवा /Or

पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवासी–
च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।।

(ख) अथ वा भवतिव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र

अथवा / Or

पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनयाविश्लेषदुःखैर्नवैः।

(ग) गुणवत्युपायनिलये स्थितिहेतोः साधिके त्रिवर्गस्य।
मद्भवननीतिविद्ये कार्याचार्ये द्रुतमपेहि।।

अथवा / Or

कमलानां मनोहराणामपि रूपाद्विसंवदन्ति शीलम्।
सम्पूर्णमण्डलेऽपि यानि चन्द्रे विरुद्धानि।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 4+4
Write notes on any **two** of the following :
नेपथ्य, भरतवाक्य, आकाशभाषित, सूत्रधार, नान्दी ।

5. निम्नलिखित का संस्कृत में रूपान्तर कीजिए – 6
Transliterate the following into **Sanskrit :**

एसा पि पिएण विणा गमेइ रजनीं विसाअदीहअरं।
गरुअं पि विरहदुक्खं आसाबन्धो सहावेदि।।

अथवा / Or

इअं चिन्तासुञ्ञ हिअ आणीहा पडिहदचंदकेहा विअ अमंडिदभद्दअं
वेसं धाअंदी पिअंगु–सिण्णपट्टए उवविट्ठा। जाव उवसप्पामि।

6. मुद्राराक्षसम् नाटक का नायक कौन है? विवेचना कीजिए। 10
Who is the hero of the 'Mudrarakshasam' drama? Discuss.

अथवा/ Or

मुद्राराक्षसम् नाटक में कृतकलह के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
Describe the importance of 'Kritakalaha' according to the 'Mudrarakshasam'.

7. कालिदास की नाट्यशैली का वर्णन कीजिए। 10
Explain the style of writing dramas by Kalidasa.

अथवा/ Or

शकुन्तला का चरित्र–चित्रण कीजिए।
Draw a character sketch of Shakuntala.

8. उदयन **अथवा** वासवदत्ता के चरित्र का उल्लेख कीजिए। 10
Describe the character of Udayana **or** Vasavadatta.

9. प्रश्न संख्या 1 में रेखाङ्कित किन्हीं **चार** शब्दों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए । 10
Write grammatical notes on any **four** of the underlined words in Q.No. 1.